

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 11 मार्च, 2008

विषय- जनपद चम्पावत में 500 मी० टन क्षमता का खाद्यान्न गोदाम एवं कर्मचारियों के आवास निर्माण के संबंध में धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, चम्पावत के पत्र संख्या- 508/जि.पू.अ. गोदान निर्माण, दिनांक 28 सितम्बर, 2007 तथा पत्र संख्या-535/जि.पू.अ. गोदान निर्माण/07-08, दिनांक 11 अक्टूबर, 2007 एवं शासनादेश संख्या-1205/XIX/2006-150/05, दिनांक 28 सितम्बर, 2006 के क्रम में अवगत करना है कि जनपद चम्पावत में 500 मी० टन क्षमता के खाद्यान्न गोदाम के निर्माण हेतु परियोजना प्रबन्धक उत्तरांचल पेयजल संस्थान, विकास एवं निर्माण निगम, चम्पावत द्वारा तैयार आंगणन धनराशि रु. 32.50 लाख के सापेक्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा पुनरीक्षित दरों की वृद्धि के अनुसार टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त धनराशि रु. 36.35 लाख की वर्ष 2006-07 के लिये प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति उपरिसंदर्भित शासनादेश दिनांक 28.09.2006 के द्वारा दी गयी थी। जिलाधिकारी, चम्पावत के पत्र दिनांक 11 अक्टूबर, 2007 के द्वारा वर्ष 2006-07 में स्वीकृत धनराशि से मात्र 250 मी० टन क्षमता का गोदान निर्माण ही सम्भव हो पाने एवं धनराशि कम पड़ने के कारण मुख्य अभियन्ता स्तर-1, लोक निर्माण विभाग, देहरादून के पत्र दिनांक 27.11.2006 के द्वारा संशोधित दरों का समावेश करते हुए उक्त संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये पुनरीक्षित आंगणन धनराशि रु. 82.38 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० वित्त विभाग द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु. 54.37 लाख पायी गयी।

इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद चम्पावत में 500 मी० टन क्षमता के खाद्यान्न गोदाम एवं कर्मचारियों के आवास निर्माण हेतु परियोजना प्रबन्धक उत्तरांचल पेयजल संस्थान, विकास एवं निर्माण निगम, चम्पावत द्वारा तैयार पुनरीक्षित आंगणन धनराशि रु. 62.38 लाख (रुपये बासठ लाख अठ्ठस हजार मात्र) के सापेक्ष TAC द्वारा परीक्षणोपरान्त वर्ष 2007-08 के लिये औचित्यपूर्ण धनराशि रु. 54.37 लाख (रुपये चौवन लाख सैतिस हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति तथा संस्तुत धनराशि रु. 36.35 लाख वित्तीय वर्ष 2006-07 में उपरिसंदर्भित शासनादेश दिनांक 28.09.2006 द्वारा स्वीकृत धनराशि को समायोजित करते हुए अवशेष धनराशि रु. 18.02 लाख (रुपये अठ्ठारह लाख दो हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. उक्त धनराशि आहरित कर संबंधित निर्माण इकाई परियोजना प्रबन्धक, यूनिट-7 निर्माण निगम, परियोजना प्रबन्धक उत्तरांचल पेयजल संस्थान, विकास एवं निर्माण निगम, चम्पावत को इस शर्त के साथ उपलब्ध करायी जायेगी कि यह मार्च, 2009 तक उक्त खाद्यान्न गोदाम एवं आवास का निर्माण पूर्ण करके आयुक्त, खाद्य को हस्तान्तरित कराये जाने का प्रमाण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध करायेंगे। स्वीकृत धनराशि का अवशेष 10 प्रतिशत वित्तीय, भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने के पश्चात् ही अउक्त की जायेगी। संशोधित आंगणन की प्रति संलग्न है।
2. आंगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आंगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत फार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
5. एक मुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।

6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
7. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-भक्ति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
10. जीपीओडब्लू0 फॉर्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
11. स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, रटोर प्रवर्ज रूलस एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।
12. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय एवं इसका पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण इकाई कार्यदायी संस्था का होगा। यह सुनिश्चित किया जाय कि अब पुनरीक्षित आगणन स्वीकृत किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा। इसी धनराशि के अन्तर्गत योजना पूर्ण की जायेगी।
13. स्वीकृत धनराशि वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या 25-लेखाशीर्षक 4408-खाद्य भण्डारण एवं भण्डागारण पर पूंजीगत परियोजना-02-भण्डारण तथा भण्डागारण-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-91-जिला योजना में गोदाम निर्माण कार्य-00-24-ग्रहण निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1449/वित्त अनुभाग-5/2008, दिनांक 03 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(डा० रणवीर सिंह)
सचिव।

संख्या-290 (1)/XIX/2008-150 खाद्य/2005, तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, भाजरा, देहरादून।
2. वित्त नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. आयुक्त, कुमायूँ सम्भाग, नैनीताल।
4. अपर आयुक्त/उपायुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. जिलाधिकारी/जिला पूर्ति अधिकारी, चम्पावत।
6. शरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/चम्पावत।
7. सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, कुमायूँ सम्भाग, हल्द्वानी।
8. शरिष्ठ सम्भागीय वित्त अधिकारी, खाद्य, कुमायूँ सम्भाग, हल्द्वानी।
9. परियोजना प्रबन्धक उत्तरांचल पेयजल संस्थान, विकास एवं निर्माण निगम, चम्पावत।
10. वित्त अनुभाग-5/नियोजन विभाग/खाद्य अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
11. समन्वयक, एनओआईसी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(कुंवर सिंह)

अपर सचिव।